

दिसम्बर २३ को निदेशालय में किसान दिवस का आयोजन

भाकृअनुप-सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर ने आज अपने परिसर में 'किसान दिवस' का आयोजन किया। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ पी के राय ने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए देश की खाय तेल सुरक्षा में वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा की देश के सरसों उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं देश के अधिकांश जिलों में सरसों की उत्पादकता बहुत कम है जिसे किसानों की मेहनत एवं वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर बढ़ाया जा सकता है।

र हम खुश क्या थे? बचने की गृहार लगाते
हो के चेहरे
हमा में ये
ना निष्कर्ष
अपने बच
सो बबरता
नाम जाभिया
हराया जा रह
मारे व्यवहार
महराते, राट्टगा
लाब देते अने
मिली पर ला
ति करने वाला व
है कि नए कानू

है सबसे
पर

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर किसान-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

देश में सरसों उत्पादन की काफी संभावनाएं नई तकनीक से बढ़ाएं उत्पादन: डॉ. पीके राय

भारतपुर संवाददाता/भारतपुर

सरसों अनुसंधान निदेशालय पर किसान दिवस के अन्तर्गत आयोजित किसान-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए निदेशालय के निदेशक डॉ. पीके राय ने कहा कि देश में सरसों उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। किसानों एवं वैज्ञानिकों की मेहनत से सरसों उत्पादन में बहुत बढ़ोतरी की जा सकती है। देश के अधिकांश जिलों में सरसों की उत्पादकता बहुत कम है, जिसे वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर 25-30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक आसानी से किया जा सकता है। यह बात चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उनके योगदान को याद करते हुए निदेशालय के निदेशक डॉ. डॉ. पीके राय ने कही। उन्होंने कि नवीन तकनीकों की जानकारी किसानों को समय पर मिले और तकनीकों को अपनाने में आने वाली समस्याओं का समाधान समय पर किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को सरसों की खेती वैज्ञानिक तरीके से करके अपना उत्पादन बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही उत्पाद का प्रयोग, सही मात्रा में सही समय पर एवं सही स्थान पर करने से ही फसल के उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। डॉ. एमएल दौतानिया ने किसानों को अनुसंधान कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर कहा कि चौधरी चरण सिंह ने देश के किसानों में नई चेतना का संचार किया। किसानों के हक और उनके उत्थान के लिए सदैव संघर्ष किया था, जिससे हमारे देश के किसानों में जागरूकता आई और अपनी खेती में नए वैज्ञानिक अनुसंधानों का प्रयोग करके देश के कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान में खेती की जोत लगातार

नीजरी स्कूल की बस से कुचले जाने
पुलिस स्कूल बस और युवक की
बाक की

सामुदायिक
का कि

भारतपुर
स्वास्थ्य
रहे काया
सोमवार
सामुदायिक
निरीक्षण
स्वास्थ्य
का निरी
निरीक्षण
कार्यक्रम
एवं स
मैटर इ
स्तर से
कोशल
कार्यक्रम
केन्द्रों ने
अंक प्र
अधिकार
जा रहा
स्वास्थ्य
द्वारा 70
के बाद
राशि प्र
चिकित्सा

डॉ कप
दो कि
उद्देश्य
स्वच्छता
संक्रमण
मानदंडों
की उप
है। दल
लेबररूम
जनरल
कक्ष व
कायाक
गुणवत्ता
मापदंड
संतोषजन

भारतपुर
स्वास्थ्य
रहे काया
सोमवार
सामुदायिक
निरीक्षण
स्वास्थ्य
का निरी
निरीक्षण
कार्यक्रम
एवं स
मैटर इ
स्तर से
कोशल
कार्यक्रम
केन्द्रों ने
अंक प्र
अधिकार
जा रहा
स्वास्थ्य
द्वारा 70
के बाद
राशि प्र
चिकित्सा



भारतपुर, राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र में चौधरी चरण सिंह की जयंती में मौजूद अतिथि व किसान।

कम होती जा रही है। किसानों की खेती की लागत बढ़ रही है और आमदनी घट रही है। ऐसी स्थिति में किसानों को कृषि विविधीकरण को अपनाकर खेती से आमदनी बढ़ानी चाहिए।

श्रीन गार्डन मैरिज होम में डॉ. अशोक सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को याद किया गया। प्रेम सिंह आर्य, हीरा सिंह आर्य, रामवीर सिंह डांगुर, निर्भय सिंह, डीएफओ लाल सिंह, एडीएम अमर सिंह चारह, डॉ. धीरेन्द्र गोधारा, डॉ. योगेन्द्र सिंह, थान सिंह सोलंकी, निरजन सिंह प्राचार्य आदि वक्ताओं ने चौधरी को दलित, मजदूर किसान का मसीहा बताया। वैद्य रामवीर सिंह ने चौधरी चरण सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में कविता पठ किया। इस अवसर पर नीरज चारह, विक्रम सिंह,

हकिम सिंह राणा, विजय सिंह माल्लनी, हेमराज सिंह सिनसिनी, जसवंत सिंह एडन, शंकर दयाल सोलंकी, रूपेंद्र सिंह, सतवीर सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किए। गोष्ठी के संयोजक दयाब सिंह पूर्व प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन रनवीर सिंह कासोट ने किया।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर भूरी सिंह व्यायामशाला में गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बोले हुए डॉ. सुभाष गार् ने चौधरी चरण सिंह को किसानों ही नहीं सुभाष गार् ने चौधरी चरण सिंह को किसानों ही नहीं अतिथि गरीबों का मसीहा बताया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पार्षद सतीश सोगरवाल, नरेन्द्र चौधरी राजेन्द्र सिंह राजू, श्यामसुन्दर गौड, रामेश्वर सेनी मुकेश जाटव आदि का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन चुन्नी कप्तान ने किया।

डॉ कप
दो कि
उद्देश्य
स्वच्छता
संक्रमण
मानदंडों
की उप
है। दल
लेबररूम
जनरल
कक्ष व
कायाक
गुणवत्ता
मापदंड
संतोषजन

पं. विजयशंकर
umarehanuman

ऊर्जा के जितने
कसी की कृपा
करने वाला गु
झ लीजिए अ
उत्तर रहा है। थ
इसलिए उसे
व वह मध्यवर्
नान मिटा रहे
लाश हो तो द्वा
ईश्वर से उ इस
ही तब है, राशि
जाएं। भीतर

करना निरह
त्व एक उपर

कॉलम पं. वि
0072 पर 1.00
खर्च

9

परद

ब क

ण त

मी में वेशभू
ना भी होता

00

खर्च

9

काश चौ

मीक्षक

se@dbcorp.in

कलाकारों

भीड़ के दू

रने वाले क

देश में सरसों उत्पादन की अपार संभावना: पीके राय



सरसो अनुसंधान निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

भरतपुर। सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर में किसान दिवस पर सोमवार को किसान-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देश में सरसों उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। किसानों एवं वैज्ञानिकों की मेहनत से सरसों उत्पादन में बहुत बढ़ोतरी की जा सकती है।

किसानों को संबोधित करते निदेशालय के निदेशक डॉ. पीके राय ने कहा कि देश में सरसों उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। किसानों एवं वैज्ञानिकों की मेहनत से सरसों उत्पादन में बहुत बढ़ोतरी की जा सकती है। देश के अधिकांश जिलों में सरसों की उत्पादकता बहुत कम है, जिसे वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर 25-30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक आसानी से किया जा सकता है।

आवश्यकता इस बात की है कि नवीन तकनीकों की जानकारी किसानों को समय

सरसों अनुसंधान निदेशालय
भरतपुर में किसान दिवस पर
कार्यक्रम हुए आयोजित

पर मिले और तकनीकों को अपनाने में आने वाली समस्याओं का समाधान समय पर किया जाये। डॉ. एमएल दौतानिया ने किसानों को अनुसंधान कार्यक्रमों की जानकारी दी।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उनके योगदान को याद करते हुए निदेशालय के निदेशक डॉ. डॉपी के राय ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने देश के किसानों में नई चेतना का संचार किया। चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर निदेशक ने माल्यार्पण किया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान में खेती की जोत लगातार कम होती जा रही है। ऐसी स्थिति में किसानों को कृषि विविधीकरण को अपनाकर खेती से आमदनी बढ़ानी चाहिए।

धौल
के 3
16
के 3
प्राधि
कल
के रि
धौल
समि

धौ

धौल

लिए

खिल

करने

कोच

नेशन

इंडिय

दिसं

करा

कू डो

वर्षी

में फ

को रि

गोल्ड

प्रेसि

द्वारा

स्तर

पहुंच

इकाई

सुरेश

वाटि

अहम

प्राव

भरत

अवस

के प

क्षेत्र

आ

मह

दि

प्र

पे

फ